शुक्रवार 1 मई 2015

दैनिक भास्कर

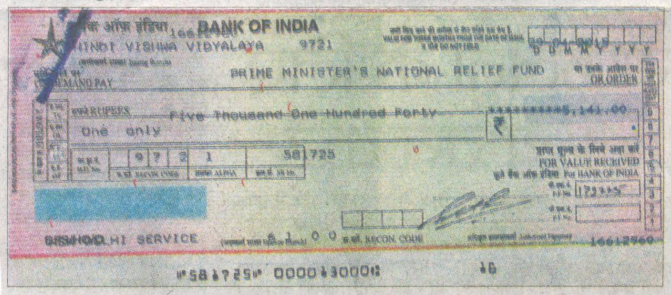

हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नेपाल-भारत भूकंप पीड़ितों के लिए भेजी सहायता राशि

बैंक ऑफ इंडिया BANK OF INDIA
HINDI VISHWA VIDYALAYA 9721
PRIME MINISTER'S NATIONAL RELIEF FUND
OR ORDER
RUPEES Five Thousand One Hundred Forty One only
₹ *********5,141.00
FOR VALUE RECEIVED
For BANK OF INDIA
581725
HI SERVICE
RECON. CODE
"581725" 0000:3000:

वर्धा. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा शोधार्थियों ने सोमवार तथा मंगलवार को नेपाल-भारत भूकंप पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुये प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धनराशि संग्रह किया। सहायता राशि विश्वविद्यालय के गोरख पांडेय छात्रावास तथा सावित्रीबाई फुले छात्रावास में मांगी गयी। सहायता राशि रामशंकर, उमेश कुमार सिंह, प्रदीप त्रिपाठी तथा संतोष मिश्रा ने छात्रावास के अंतःवासियों से मांगकर इकट्ठा किया। इस सहायता हेतु छात्राओं/छात्रों तथा शोधार्थियों ने स्वेच्छानुसार राशि प्रदान किया। इस राहत कोष राशि संग्रहण अभियान में पाँच हजार एक सौ इकतालीस रुपए मिले हैं। इस राशि को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' में डिमांड ड्राफ्ट, (डी.[illegible] सं.581725) द्वारा भेजा गया है।

छात्रों ने भेजी नेपाल-भारत भूकंप पीड़ितों को भेजी सहायता राशि

ब्यूरो|वर्धा.

महात्मा गांधी अंतर राष्ट्रीय हिंदी विवि के छात्र-छात्राओं तथा शोधार्थियों ने सोमवार तथा मंगलवार को नेपाल व भारत के भूकंप पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धनराशि संग्रहित कर उसे राहत कोष में जमा किया। सहायता राशि विवि के गोरख पांडेय छात्रावास तथा सावित्रीबाई फुले छात्रावास से एकत्रित की गई। इस समय रामशंकर, उमेश कुमार सिंह, प्रदीप त्रिपाठी तथा संतोष मिश्रा आदि छात्रों ने सहयोग किया। इस राहत कोष राशि संग्रहण अभियान में 5 हजार 141 रुपए प्राप्त हुए। इस राशि को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा भेजा गया है।

गुरुवार, 7 मई, 2015

दैनिक भास्कर

दलितों से जुड़े मनोवैज्ञानिक शोध कार्य के नए मापदंड बनाएंगे : सिंह

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि के मनोविज्ञान विभाग में एमफिल मनोविज्ञान और एमए मनोविज्ञान पाठयक्रम आरंभ किए गए हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर पर योग के प्रशिक्षकों की बढ़ती मांग को देखते हुए योग और स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा पाठयक्रम आरंभ किया गया है। इन सभी पाठयक्रमों को आधुनिक समय में रोजगार की संभावनाओं के अनुरूप तैयार किया गया है।

मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डा. अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि हम मनो[illegible] में देशज परंपरा को सूदृढ़ बनाएंगे और देश के पीड़ित, दलित और वंचित वर्गों से संबंधित मनोवैज्ञानिक शोध कार्य के नए मापदंड स्थापित करेंगे। उन्होंने बताया कि कमजोर आर्थिक वर्गों के मेधावी विद्यार्थी भी इस अवसर से वंचित न हों, इसके लिए विवि की ऐसे विद्यार्थियों से सहानुभुति है और यह विवि ऐसे विद्यार्थियों को फेलोशिप और अन्य माध्यमों से वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाता है। विभाग के एमफिल के इस सत्र के कई विद्यार्थी गांधीजी के क्षमा, अहिंसा जैसे मूल्यों पर शोध कार्य कर रहे हैं। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले किशोरों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को समझने के लिए एमफिल की छात्रा प्रीति पटेल का संकल्प गांधीजी द्वारा दिए गए संबसे गरीब व्यक्ति के लिए कार्य करने के मंत्र को स्मरण करवा देता है। मनोविज्ञान विभाग की औपचारिक स्थापना को अभी एक वर्ष भी नहीं पूरी हुआ है। एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आधुनिक जीवन में मूल्य सुकट पर मार्च माह में ही हो चुकी है। इस विभाग में स्वीडन के विख्यात भाषाशास्त्री प्रो. वेशलर, दिल्ली विवि के डीन ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो. आनंद प्रकाश, रिवा विवि के पूर्व कुलपति प्रो. उदय जैन और देश के विख्यात समाज शास्त्री प्रो. एस.एन. चौधरी विशिष्ट व्याख्यान दे चुके हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के जाने वाले मनोवैज्ञानिक और विवि के कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। वे विद्यार्थियों को शोध कार्य को उपयुक्त बनाने के लिए सदैव तत्पर हैं। विभाग के शोध कार्यों को विंद्वत समुदाय तक पहुंचाने के लिए सहायक प्रो.डा. अमित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशित हो रहा है। हाल ही में इस विभाग ने विनोबा योग मंडल की स्थापना की है। आस-पास के परिवेश के उत्थान के लिए परिवेश मंच के माध्यम से यहां का योग विभाग कार्य कर रहा है। इसके द्वारा स्थापित संवाद मंच की गतिविधियां मनोवैज्ञानिक ज्ञान को अन्य ज्ञानानुशासनों से जुड़ने की अभिप्सा को दर्शाता है। निश्चित रूप से यह विभाग मनोवैज्ञानिक ज्ञान के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रहा है।

दैनिक भास्कर

बुधवार 13 मई 2015

सैनिक की मानसिकता व अनुशासन की जरूरत : मिश्र

ब्यूरो | वर्धा

आज के युग में निर्भय, कर्तव्यदक्ष, साहसी, समयसूचकता, राष्ट्रप्रेम से जागृत नागरिकों की देश को आवश्यकता है। ऐसे में बच्चों को बचपन से ही सैनिकी मानसिकता, अनुशासन व राष्ट्रप्रेम निर्माण करने वाले प्रशिक्षण देने की जरूरत है। हर क्षेत्र में विकास के लिए अनुशासन आवश्यक है, यह प्रतिपादन कुलगुरु डा. विश्वेश्वर मिश्र ने किए। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सभागृह में संपन्न हुए प्रहार के एडव्हेंचर कैम्प के समापन कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। स्थानीक प्रहार समाज जागृति संस्था की ओर से 5 से 10 मई के दौरान 6 दिवसीय प्रहार एडव्हेंचर कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें 62 शालेय लड़के-लड़कियां शामिल हुई। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु डा. विश्वेश्वर मिश्र ने की। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षणाधिकारी संजय डोलीकर, स्काउट गाइड के जिला मुख्यालय आयुक्त डा. शिरिष गोडे, निसर्ग सेवा समिति के अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोडे व प्रहार संस्था के अध्यक्ष व होमगार्ड के जिलासमादेशक प्रा. मोहन गुजरकर उपस्थित थे। शेकोटी कार्यक्रम में पर्यावरण जागृति, विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेम पर आधारित विविध पथनाट्य शिविरार्थियों ने प्रस्तुत किए। शिक्षणाधिकारी संजय डोलीकर ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को खेल व साहस का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। इस अवसर पर डा. गोडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शिविर प्रमुख प्रा. मोहन गुजरकर ने अपने प्रास्ताविक में कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति कारखाना, उद्योग, पर नहीं बल्कि वहां के स्कूल, महाविद्यालय में दिए जाने वाले शिक्षा प्रशिक्षण पर आधारित होती है।

इस अवसर पर रीया हिवंज व सृजन मकरंदे आदि ने अपना मत व्यक्त किया। शिविर के दौरान

डा. राजेंद्र बोरकर, प्रा. श्याम देशपांडे ने मार्गदर्शन किया। पूर्व उपअभियंता के. आर. बजाज ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का महत्व बताया। शिविर में चार संघ तैयार कर उन्हें भगत सिंह, छत्रपति शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मीबाई, रानी अहिल्याबाई इन थोर पुरुषों के नाम दिए गए थे। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षक प्रा. रवीद्र गुजरकर ने किया। संतोष तुरक ने आभार माना। सफलतार्थ अमोल तड़स, धीरज कामडी, चंद्रकांत हिवरे, राजेंद्र घोडमारे, सुजीत डूकरे, सचिन वैद्य, चेतन सातपुते, व अश्विनी घोडखांदे आदि ने अथक प्रयास किया।

दैनिक भास्कर

शनिवार 16 मई 2015

20

हिंदी विवि में प्रवेश परीक्षा पर साक्षात्कार 30 से

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में अकादमिक सत्र 2015-16 के लिए प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया 30 मई से आरंभ हो रही है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की लिखित परीक्षा वर्धा, दिल्ली, इलाहाबाद एवं कोलकाता केंद्रों पर ली जाएगी। 30 मई को एमए., एमफिल. अनुवाद अध्ययन, एमए, एमफिल. पी-एचडी. परफार्मिंग आर्ट, एमए, एमफिल, स्त्री अध्ययन, एमए उर्दू, एमए, एमफिल. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन, पीएचडी, भाषा अध्ययन, पी-एचडी. तुलनात्मक साहित्य, पी-एचडी विकास एवं शांति अध्ययन की परीक्षा पूर्वाह्न 9 से 12 बजे के बीच होगी तथा इन विषयों का साक्षात्कार 1 से 8 जुलाई को होगा। 30 मई को ही अपराह्न 2 से 5 बजे के बीच बीए पत्रकारिता एव जनसंचार, एमए, एमफिल, जनसंचार, एमए एमफिल मानवविज्ञान, एमए एमफिल मनोविज्ञान, तथा एमए, एमफिल शिक्षाशास्त्र विषय की परीक्षा तथा साक्षात्कार लिया जाएगा। पी-एचडी मप्यूटेशनल लिग्विस्टिस्क, पी-एचडी दलित एवं जनजातीय अध्ययन तथा पी-एचडी सोशल वर्क की परीक्षा भी इसी दिन ली जाएगी। 31 मई को पूर्वाह्न 9 से 12 बजे के बीच एमए एमफिल कंप्यूटेशनल लिग्विस्टिक्स , एमए. एमफिल भाषाविज्ञान, बीए हिंदी ऑनर्स, एमफिल हिंदी साहित्य, एमए तुलनात्मक साहित्य, एमए एमफिल दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बीएसडब्ल्यू, एमएस डब्ल्यू, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ(एमपीएच), एमफिल सोशल वर्क, पीएचडी स्त्री अध्ययन, पीएचडी

शेष | पेज 16 पर

हिंदी विवि में प्रवेश ...

मानवविज्ञान, पीएचडी शिक्षाशास्त्र की परीक्षा ली जाएगी तथा साक्षात्कार 1 से 8 जुलाई के दौरान लिया जाएगा। 31 मई को अपराह्न 2 से 5 बजे की अवधी में एमफिल चायनीज, एमफिल स्पेनिश, एमए एमफिल भाषा अध्ययन, एमए एमफिल बौद्ध अध्ययन, एमए एमफिल विकास एवं शांति अध्ययन की परीक्षा ली जाएगी। 1 जून को पूर्वाह्न 9 से 12 बजे के दौरान बीएड, बीकॉम ऑनर्स, बीए इतिहास ऑनर्स, बीवोक एम कॉम की परीक्षा होगी तथा 2 से 5 बजे के बीच एम बीए, पीएचडी, जनसंचार, एमफिल तुलनात्मक साहित्य, एमए हिंदी साहित्य की प्रवेश परीक्षा होगी और 1 से 8 जुलाई के बीच साक्षात्कार होग। विवि की ओर आवेदन देकर विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि वे उक्त तिथि और समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
रविवार, 24 मई 2015,

(26)

भूकंप पीड़ितों के लिए भेजी 3 लाख 36 हजार की राशि

ब्यूरो|वर्धा. महात्मा गांधी अंतर राष्ट्रीय हिंदी विवि ने हाल ही में नेपाल तथा भारत में आए भूकंप मे पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना दिखाते हुए अपने एक दिन के वेतन की राशि प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए भेजी गई। इस समय कुल 3 लाख 36 हजार आठ सौ 13 रुपए प्राप्त हुए। उक्त राशि को वित्ताधिकारी संजय भास्कर गवई के माध्यम से प्रधानमंत्री राहत कोश के लिए भेज दिया गया। विवि के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने भूकंप पीड़ितों के लिए एक दिन का वेतन अपनी स्वेच्छा से देकर उक्त राशि प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए भेजने का आहवान अधिकारी एवं कर्मियों से किया था। हिंदी विवि के अधिकारी एवं कर्मियों ने सकारात्मक पहल कर स्वेच्छा से एक दिन का वेतन प्रधानमंत्री राहत कोश के लिए भेज दिया। इस संवेदनशीलता के प्रति कुलपति प्रो. गिरिश्वर मिश्र तथा प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने उनके प्रति आभार जताया है।

लोकमत समाचार
अपना विदर्भ
रविवार, 24 मई 2015

भूकंप पीड़ितों को मदद

वर्धा। 23 मई (लोस)

हिंदी विश्वविद्यालय ने नेपाल तथा भारत में आए भूकंप में पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना दिखाते हुए अपने एक दिन के वेतन की राशि प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए भेजी है. कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने भूकंप पीड़ितों के लिए 1 दिन का वेतन स्वेच्छा से देने का आह्वान कर्मियों से किया था, जिससे 3 लाख 36 हजार 813 रुपए प्राप्त हुए. उक्त राशि का वित्त अधिकारी संजय भास्कर गवई के माध्यम से प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए भेज दिया गया. कुलपति मिश्र एवं प्र-कुलपति चित्तरंजन मिश्र ने सभी सहयोगी, कर्मियों का आभार माना है.

दैनिक भास्कर
शुक्रवार 29 मई 2015

मध्यभारत का एकमात्र विदेशी भाषा का केंद्र

ब्यूरो | वर्धा

इंटरनेट के कारण दुनियां के तमाम देशों के बीच दूरियां तो कम हुई है। लेकिन अब जरूरत है कि देश के युवा अपने परंपरागत विषयों से हटकर कम-से-कम एक विदेशी भाषा के जानकार बने ताकी भारत के साथ अन्य देशों के संवाद में वे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विदेशी भाषाओं का ज्ञान रोजगार पूरक है। एवं इसकी आवश्यकता हर एक क्षेत्र में है। चाहे वो इंजीनियर, पत्रकार, भाषावाद, भाषावैज्ञानिक, चिकित्सक एवं कोई भी रोजगार/व्यवसाय से जुड़े हो भाषा का ज्ञान आगे बढ़ने के अवसर को बढ़ावा देता है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि, वर्धा मध्यभारत का इकलौता विवि है। जहां हिंदी एवं अन्य विषयों के साथ-साथ विदेशी भाषाओं की भी पढ़ाई होती है। विदेशी भाषा के लिए यहां पर विशेष रूप के अलग केंद्र की स्थापना की गई। भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र की स्थापना विदेशी भाषाओं के बीच संवाद, अनुवाद एवं ज्ञान-विज्ञान के आदान-प्रदान हेतू की गई है। यहां पर हिंदी एवं अन्य भाषाओं के कोश तैयार किए जा रहे है। साथ-ही साथ हिंदी माध्यम से विदेशी भाषाओं के सीखने हेतू सामग्री का निर्माण कार्य भी चल रहा है।

यह केंद्र अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां भाषा सीखने हेतू भाषा प्रयोगशाला, आईसीटी कक्ष एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला आदि सुविधाएं मौजूद है। भाषाप्रयोगशाला सहित अद्यतन प्रविधियों एवं तकनीक का प्रशिक्षण में उपयोग-भाषाओं के शिक्षण के साथ नियमित अभ्यास एवं ट्यूटोरियल कि भी व्यवस्था है। वर्तमान में यहां सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा एवं एमफिल पाठ्यक्रम संचालित है। यहां के पाठ्यक्रम रोजगार पूरक एवं अत्यंत सफल है। विवि में एक साथ दो डिग्री कोर्स में प्रवेश नहीं लिया जा सकता है। लेकिन एक डिग्री कोर्स के साथ डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स किया जा सकता है। ऐसे में विवि परिसर में चलने वाले विदेशी भाषा में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स को करने वाले किसी भी कोर्स के साथ इसे कर सकते है। इन पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

दैनिक भास्कर

शनिवार 30 मई 2015

हिंदी विवि में प्रवेश परीक्षा आज से

वर्धा, दिल्ली, इलाहाबाद तथा कोलकाता केन्द्र में होंगीं परीक्षाएं

ब्यूरो | वर्धा.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि में शैक्षणिक सत्र 2015-16 में प्रवेश के लिए ली जाने वाली प्रवेश परीक्षा 30 मई से शुरू होगी।

परीक्षा 30 एवं 31 मई तथा 1 जून को प्रातः9 से 12 तथा अपराह 2 से 5 की अवधि में ली जाएगी। एमए, एमफिल, पी-एचडी, बीएड, एमकॉम तथा एमबीए आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वर्धा, दिल्ली, इलाहाबाद तथा कोलकाता इन चार केन्द्रों पर लिखित प्रवेश परीक्षा ली जाएगी। साथ ही इन परीक्षाओं में देश के छात्र-छात्राएं इन परीक्षा स्थल पर उपस्थित होंगे। वर्धा का परीक्षा केन्द्र विवि

परिसर में मुक्तिबोध भवन में होगा, जबकि दिल्ली का परीक्षा केन्द्र टेक्निया इन्स्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज 3 पीएचडी इंस्टीट्यूशनल एरिया, मधुबन चौक, प्रीतमपुरा मेट्रो स्टेशन के पास नई दिल्ली में होगा। इलाहाबाद का परीक्षा केन्द्र इलाहाबाद क्षेत्र क्षेत्रीय केन्द्र, सरोजिनी नायडू मार्ग इलाहाबाद में तथा कोलकाता का शेष | पेज 18 पर

हिंदी विवि में प्रवेश....

परीक्षा केन्द्र कोलकाता क्षेत्रीय एकमाता इंजेडसीजी आईए-290 सेक्टेर 3 साल्ट लेक सिटी में होगा। लिखित प्रवेश परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को संकेत स्थल पर अधिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

देशोन्नती

बुधवार, दि. १३ मे २०१५

(10)

जागतिक कामगार दिनी सत्कार व मुखपत्राचे प्रकाशन

प्रतिनिधी/ १२ मे

वर्धा : कामगार संघटना संयुक्त कृती समिती, वर्धा तर्फे जागतिक कामगार दिनी भारतातील कामगार चळवळीची आजची दशा व दिशा यावर चर्चासत्र घेण्यात आले. या आयोजित कार्यक्रमात कामगार चळवळीत, सामाजिक चळवळीत उल्लेखनीय योगदान दिलेल्या कामगारांचा सत्कार व कामगार संदेश या मुखपत्राचे प्रकाशन करण्यात आले. कार्यक्रमाचे उद्घाटन शेतकरी नेते विजय जावंधिया यांचे हस्ते करण्यात आले. अध्यक्षस्थानी महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठाचे कुलगुरु प्रा. गिरीश्वर मिश्र होते. प्रमुख पाहुणे खासदार रामदास, राष्ट्रीय

अध्यक्ष अ.भा.सत्यशोधक समाजाचे डॉ.अशोक चोपडे होते तर प्रमुख उपस्थितीमध्ये कामगार संघटना संयुक्त कृती समितीचे अध्यक्ष गुणवंत डकरे, कार्याध्यक्ष प्रदिप दाते, सरचिटणीस नरेश गेडे, संघटक नंदकुमार वानखेडे यांची होती. कागारांच्या श्रमावरच या देशाची अर्थव्यवस्था उभी असतांना त्याची उपेक्षा करणे कदापी योग्य नाही तर प्रबोधन करणाऱ्या कार्यकर्त्यांनी सामाजिक व मानसिक अवस्थेचा अभ्यास करुन चळवळ गतिमान करावी. त्याकरिता संविधानाच्या तत्वांना मान्य करुन कामगार चळवळींनी समाजातील धार्मिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विषमतेची पाळेमुळे खणून काढली पाहिजे. तर दुसरीकडे शेतकऱ्यांच्या शेतमालाला जगण्याइतकी पर्याप्त किंमत मिळालीच पाहिजे, असा सूर या चर्चासत्रात निघाला. यावेही कामगार संदेश या मुखपत्राचे प्रकाशन मान्यवरांच्या हस्ते करण्यात आले. कार्यक्रमाचे संचालन नंदकुमार वानखेडे यांनी तर आभार प्रदिप दाते यांनी मानले. कार्यक्रमाच्या यशस्वितेकरिता नरेंद्र काळे, किशोर देशपांडे, विनोद भालतडक, प्रकाश बमनोटे, सुभाष ढकरे, राजू करपाते, भाके, हेमंत तलमले, जयेश भोयर, शंकर मोहदुरे, जांभुळकर, दाभेकर, पदाधिकारी उपस्थित होते. शेवटी राष्ट्रगीताने कार्यक्रमाची सांगता झाली.

गुरुवार, १४ मे २०१५

मार्गदर्शन..

कुलगुरु मिश्र यांचे प्रतिपादन

राष्ट्रप्रेमाने भारावलेली पिढीच बदल करु शकते

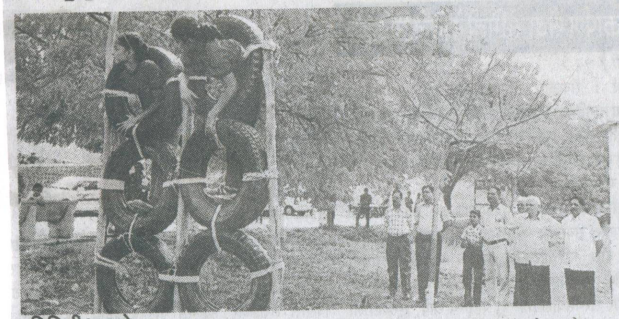

प्रतिनिधी/ १३ मे

वर्धा : आज खऱ्या अर्थाने निर्भय कर्तव्यदक्ष,साहसी, समयसुचकता व राष्ट्रप्रेमाने भारावलेल्या नागरिकांची आपल्या देशाला नितांत गरज आहे,असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु डॉ. विश्वेश्वर मिश्र यांनी महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयाच्या सभागृहात १० मे रोजी संपन्न झालेल्या प्रहारच्या ॲडव्हेंचर कॅम्पच्या समारोप प्रसंगी केले.

स्थानिक प्रहार समाज जागृती संस्थेच्यावतीने ५ ते १० मे २०१५ दरम्यान सहा दिवसीय प्रहार ॲडव्हेंचर कॅम्पचे आयोजन करण्यात आले होते. यात ६२ शालेय मुलामुलींचा सहभाग होता. समारोप प्रसंगी अध्यक्षस्थानी कुलगुरु डॉ.विश्वेश्वर मिश्र तर प्रमुख अतिथी म्हणून शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लिकर व प्रहार संस्थेचे अध्यक्ष तथा होमगार्डचे जिल्हासमादेशक प्रा.मोहन गुजरकर यांची प्रमुख उपस्थिती होती. शिबिरात १५ प्रकारचे अडथळा पार प्रशिक्षण, रॅपलिंग,नागरी सुरक्षा प्रशिक्षण, जंगल भ्रमण ट्रेझर हंड व विविध प्रकाराचे साहसी प्रशिक्षण देण्यात आले. शेकोटी कार्यक्रम पर्यावरण जागृती विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेमावर आधारीत विविध पथनाट्य शिबिरार्थ्यांनी सादर केल्या.

शिबिर प्रमुख प्रा.मोहन गुजरकर यांनी आपल्या प्रास्ताविक भाषणात कोणत्याही राष्ट्राची प्रगती ही तेथील इमारती, कारखाने,उद्योग,शेती व दळणवळणाची सोय यावर अवलंबून नसून तेथील शालेय महाविद्यालयीन मुलामुलींना कश्या प्रकारचे शिक्षण व आदर्श नागरिक बनविण्याचे प्रशिक्षण दिले जाते यावर अवलंबून असते. यासाठीच त्यांच्या मनात देशाबाबत, समाजाबाबत योग्य सकारात्मक विचार रुजविण्याचा विनम्र प्रयत्न प्रहार संस्थेद्वारा केल्या जात आहे, असे म्हणाले. शिबिरादरम्यान डॉ.राजेंद्र बोरकर यांनी प्राथमिक उपचार किती महत्वाचे आहे. तर प्रा.श्याम देशपांडे यांनी क्रांतीकारकाचे स्वातंत्र्यलढ्यात मोलाचे योगदान या विषयावर मार्गदर्शन केले व माजी उपअभियंता के.आर.बजाज यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रमाचे महत्व विशद केले. शिबिराच्या यशस्वीतेकरिता चार संघ तयार करुन त्यांना भगत सिंग, छत्रपती शिवाजी महाराज, राणी लक्ष्मीबाई, राणी अहिल्याबाई या थोरविराची नावे देण्यात आली होती. यशस्वीतेकरीता अमोल तडस,धिरज कामडी,सुजित डुकरे,सचिन वैद्य,चेतन सातपुते व अश्विनी घोडखांदे यांनी प्रयत्न केले.संचालन प्रशिक्षक प्रा.रविंद्र गुजरकर तर आभार संतोष तुरक यांनी मानले.

देशोन्नती
शनिवार, दि. २३ मे २०१५

25

हिंदी विश्वविद्यालयाचा नेपाल-भारत भूकंप ग्रस्तांना मदतीचा हात

एक दिवसाच्या पगारातून पाठविले तीन लाख छत्तीस हजार रूपये

प्रतिनिधी/ २२ मे

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने नेपाळ आणि भारतात आलेल्या भूकंपात पीडित झालेल्यांच्या मदतीकरिता आपल्या संवेदना व्यक्त करत पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये तीन लाख छत्तीस हजार आठशे तेरा रुपयांची मदत पाठविली आहे. विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी आपले अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांना भूकंपग्रस्तांच्या मदतीसाठी एक दिवसाच्या पगारातून मदत करण्याचे आवाहन केले होते. या आवाहनाला सकारात्मक प्रतिसाद देत अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांनी आपला एक दिवसाचा पगार पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये पाठविला. विश्वविद्यालयाचे वित्त अधिकारी संजय भास्कर गवई यांनी तीन लाख ३६ हजार ८१३ रुपयांचा डीडी विश्वविद्यालयाच्या वतीने या निधीमध्ये जमा केला.

विश्वविद्यालयाच्या कर्मचाऱ्यांनी दाखविलेल्या संवेदनशीलते प्रती कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांचे आभार मानले.

लोकमत
शनिवार, दि. २३ मे २०१५

महात्मा गांधी हिंदी विद्यापीठ

वर्धा: म.गां. आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ यांच्यावतीने भूकंप पीडितांना आर्थिक मदत करण्यात आली. कुलगुरु गिरीश्वर मिश्र यांच्यासह अधिकारी, कर्मचाऱ्यांनी पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये सहकार्य केले. विद्यापीठाचे वित्तधिकारी संजय गवई यांनी धनादेश जिल्हा प्रशासनाकडे सुपूर्द केला आहे. यासह विद्यार्थ्यांनी मदत फेरीच्या माध्यमातून निधीचे संकलन केले होते.

देशोन्नती
शुक्रवार, १५ मे २०१५

(16)

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांची भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षणामध्ये निवड

प्रतिनिधी/ १४ मे

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील मानवविज्ञान विभागाचा विद्यार्थी जय नारायण सिंग याची भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षणात वरिष्ठ शोध अध्यता, सांस्कृतिक या पदावर निवड झाली आहे.

जय नारायण सिंग २०११ पासून विश्वविद्यालयात मानवविज्ञान विभागात पी-एच.डी. करत असून ते 'देश समुदायों का नृपरिस्थितिकीय अध्ययन' या विषयावर शोध करत आहे. त्यांनी १ मे रोजी पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपूर, राजस्थान येथे पदभार ग्रहण केला आहे. मानवविज्ञान विषयात अकादमिक क्षेत्रात विश्वविद्यालयाशिवाय संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत असणारी संस्था मानवविज्ञान सर्वेक्षण ही उच्चस्तरीय आणि गुणवत्तापूर्ण संस्था मानली जाते. संस्थेत भारतातील विविध क्षेत्रात सामाजिक आणि सांस्कृतिक तसेच जैविक विषयांवर शोध होत असतात. विश्वविद्यालयातील मानवविज्ञान विभाग हा देखील महाराष्ट्र राज्यातील असा एकमेव विभाग आहे जिथे विदर्भासह संपूर्ण भारतीय संस्कृतीवर अध्ययन आणि शोध होत आहे. जय नारायण सिंगने मानवविज्ञान विभागातून नेट उत्तीर्ण करून जेआरएफ प्राप्त केली आहे. त्याचे आठहून अधिक आलेख राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय जर्नल आणि संपादित पुस्तकांमध्ये प्रकाशित झाले आहेत.

विश्वविद्यालयाच्या उपलब्धिबद्दल त्याचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रकुलगुरु प्रो. चित्तरंजन मिश्र आणि मानवविज्ञान विभागाचे अध्यक्ष डॉ. फरहद मलिक व सहअध्यापकांनी अभिनंदन केले आहे. त्याचे सर्व स्त्रातून कौतुक होत आहे.

देशोन्नती
शुक्रवार, २९ मे २०१५

हिंदी विश्व विद्यालय मध्यभारतातील विदेशी भाषेचे केंद्र

प्रतिनिधी/ २८ मे

वर्धा : जग हे एक खेडे झाले आहे ही संकल्पना आल्यावर जगातील अनेक देशांमधील अंतर तर कमी झाले परंतु भाषा आज सुद्धा देशा-देशांमधील संवादात अडसर किंवा दरी बनत आहे. विविध भाषांच्या विस्ताराशिवाय देश एकमेकांजवळ येतील ही कल्पनाच अस्तित्वात येणे शक्य नाही. भाषा ही संवादाची महत्वाची वाहिनी आहे त्यामुळे आजच्या युवकांना आपल्या परंपरागत विषयांशिवाय कमीत कमी एक विदेशी भाषा शिकणे आवश्यक झाले आहे.

द्विपक्षीय संबंध प्रगाढ करण्यासाठी आणि देशा-देशांमधीवल संवाद कायम करण्यासाठी विदेशी भाषा हे एक महत्वाचे रोजगाराचे साधन बनू शकते, ही भावना आता युवकांच्या मनात जागृत झाली आहे. देशा-देशांमध्ये आदान प्रदानाचे व्यववहार वाढल्याने रोजगाराचे अनेक क्षेत्र खुले झालेत आणि होत आहेत. हे लक्षात घेता वर्धेतील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्व विद्यालयाने अध्ययन आणि अध्यापनाच्यो आपल्या कक्षा रुंदावत विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र सुरू केले आहे. केंद्राचे नाव भारतीय आणि विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र असे केले आहे.

विदेशी आणि भारतीय भाषांमध्ये संवाद, अनुवाद, आणि ज्ञान-विज्ञानाचे आदान-प्रदान करणे हा या केंद्राचा विधायक हेतु आहे. या केंद्राच्या वतीने चीनी, फ्रेंच, जापानी आणि स्पेनिश या महत्वाच्या चार भाषांचे अभ्यासक्रम सुरू केले आहेत. तर मराठी, उर्दू, संस्कृत आणि इंग्रजी या भाषांमध्ये शिकण्याची सोय येथे आहे. आपण इंजीनियर, पत्रकार, भाषाविद, भाषावैज्ञानिक, चिकित्सक किंवा अन्य् कोणत्याही क्षेत्रात असाल तर यापैकी एक भाषा जरी आपणास अवगत असेल तर त्याचा विस्तार आपण आपले व्यक्तीमत्व विकसित करण्याबरोबाच रोजगार आणि व्यवसाय यासाठी नक्कीच करू शकतो. व्यक्तीमत्त्व विकास, रोजगार आणि भाषा प्रभुत्व या त्रिवेणीतून अनेक गोष्टींची पूर्तता करता येणे शक्य आहे. रोजगाराशिवाय व्यवसायाकरिता या भाषा महत्वाच्या साधन ठरू पाहात आहेत. हे केंद्र अत्याधुनिक सुविधांनी युक्त आहे. भाषा शिकण्याकरिता लागणारी आधुनिक भाषा प्रयोगशाळा, आयसीटी कक्ष आणि कंप्यूटर प्रयोगशाळा केंद्रात उपलब्ध आहे. केंद्राच्या वतीने सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ॲडवांस्ड डिप्लोमा आणि एम.फिल. हे अभ्यासक्रम येथे करता येतात. विद्यार्थ्यांना एक डिग्री कोर्स करता असतांना एक डिप्लोमा किंवा एक सर्टिफिकेट कोर्स करता येतो. त्यामुळे एम. ए. करणारा विद्यार्थी विदेशी भाषेत कोणताही कोर्स सहजगत्या करू शकतो हे येथील महत्वाचे वैशिष्ट आहे.

FRIDAY ■ May 8 ■ 2015

(5)

The Hitavada

'One who overcomes difficulties in life succeeds'

■ District Correspondent
WARDHA, May 7

"OUR life is full of struggle, difficulties and obstacles. But the one who overcomes the difficulties can achieve success in life. Along with following life's goals, should also spare time for making oneself emotionally stronger," said Dr Girishwar Shukla, Vice-chancellor of Mahatma Gandhi International Hindi University (MGIHU).

He was speaking at the inauguration of Prahar adventure camp organised by Prahar Samaj Jagruti Sanstha at Habib Tanvir Auditorium, MGIHU. Pradip Date, Vice-president of Prahar, Murlidhar Belkhode, Dr Rajendra Borkar, Dr Chanrkant Hiware, Rajendra Ghodmare and Lt Prof Mohan Gujarkar, chief of a camp, were present on the occasion.

Children participating in Prahar adventure camp. Dr Mishra, Prof Mohan Gujarkar, Pradip Date and others look on.

Prof Mohan Gujarkar said that it was necessary to spur patriotism, create social awareness among youth. Ideal youth can be built through proper nurturing at the proper age, he added.

Pradip Date and Murlidhar Belkhode also expressed their views on the occasion.

Total 55 students participated in a camp. Various activities like fort making, rock climbing. valley crossing, treasure hunt, jungle trekking are included in the camp. A drawing competition, debate, drama and other activities will also be held. Valedictory programme of the camp will be held on May 10.

Ravindra Gujarkar conducted proceedings of the inaugural programme and Santosh Turak proposed vote of thanks. Vaishali Gujarkar, Amol Tadas, Ashvini Ghodkhande, Sujit Dukare and Sachin Vaidya are working hard to make the camp successful.

Tuesday ■ May 26 ■ 2015

The Hitavada

Arvind Jha selected for professors' workshop

■ District Correspondent
WARDHA, May 25

PROF ARVIND Kumar Jha, Dean of Shiksha Vidyapeeth of Mahatma Gandhi International Hindi University (MGIHU), Wardha has been selected for a week-long residential workshop for the Professors at Rashtrapati Bhavan from June 6 to 12.

It may be mentioned here that Pranab Mukherjee, President of India has announced the proposal of the said workshop during the conference of Vice-Chancellors' of Central University held in February 2015 which was attended by Prof. Girishwar Mishra, the V-C of MGIHU.

Total 40 Professors from various Central Universities of the country will participate in the residential workshop. Prof Jha will represent MGIHU. They will be given the chance to interact with the President of India. The Professors will visit the Universities at Gurgaon, Noida, Greater Noida and Manesar during the workshop. They will discuss with Union Minister of Human Resource and Development, Minister of State for Urban Development and the Vice-Chairman of Planning Commission on June 9 on 'Modern Education'. The Professors will interact with the officials of Education department of Intel, Microsoft, IBM and other MNCs on the implementation Information Technology in Education. They will also produce their reports to the secretary of President regarding the workshop.

Prof Arvind Kumar Zha is being congratulated by his friends on his selection.

TheHitavada
SATURDAY May 2 2015

37

MGIHU students' noble gesture

■ Our Correspondents
WARDHA/ HINGANGHAT May 1

STUDENTS of Mahatma Gandhi International Hindi University sent aid for Nepal-India earthquake affected people in Prime Minister National Relief Fund.

Students of Gorakha Pande and Savatribail Fule girls hostel have collected the fund of Rs. 5141 willingly and sent to P.M. national relief fund.

Ramshankar, Umeshkumar Sing, Pradip Tripathi and Santosh Mishra cooperated to collect fund.

लोकमत
गुरुवार, दि. १४ मे २०१५

साहस प्रशिक्षण शिबिर : आपातकालीन स्थितीत करावयाच्या मदतकार्याची दिली माहिती

बालकांना प्रशिक्षणातून दिले स्वरक्षणाचे धडे

वर्धा : 'आज खऱ्या अर्थाने निर्भय, कर्तव्यदक्ष, साहसी, समयसुचकता व राष्ट्रप्रेमाने भारावलेल्या नागरिकांची आपल्या देशाला नितांत गरज आहे. याकरिता बालवयापासूनच सैनिकी मानसिकता व राष्ट्रप्रेम निर्माण करणारे प्रशिक्षण देण्याची गरज असून केवळ सैनिकी मानसिकता व राष्ट्रप्रेमाने भारवलेली पिढीच बदल करु शकते, प्रत्येक क्षेत्रात विकासाकरिता शिस्त आवश्यक आहे, असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय विद्यापीठाचे कुलगुरु डॉ. विश्वेश्वर मिश्र यांनी केले.

येथील विद्यापीठाच्या सभागृहात सोमवारी झालेल्या प्रहारच्या मोफत साहस शिबिराच्या समारोपीय कार्यक्रमात ते बोलत होते.

स्थानिक प्रहार समाज जागृती संस्थेच्यावतीने सहा दिवसीय 'प्रहार ॲडव्हेंचर कॅम्प घेण्यात आला. यात निवडक ६२ शालेय मुलामुलींचा सहभाग होता. समारोपीय कार्यक्रमाला प्रमुख अतिथी म्हणून शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लीकर, स्काउट-गाईडचे जिल्हा मुख्यालय आयुक्त डॉ. शिरीष गोडे, निसर्ग सेवा समितीचे अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोडे, प्रहार संस्थेचे अध्यक्ष व होमगार्ड जिल्हा समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर उपस्थित होते.

चिमुकल्यांनी दिला प्रात्यक्षिकातून साहसाचा थरार

- या शिबिरात मुलांना १५ प्रकारचे अडथळा पार प्रशिक्षण, रॅपलिंग, नागरी सुरक्षा प्रशिक्षण, जंगल भ्रमण, ट्रेझर हंट व विविध प्रकारचे साहसी प्रशिक्षण देण्यात आले. यातून मुलांना आपातकालीन स्थितीत मदतकार्याचे मोफत प्रशिक्षण देण्यात आले.
- शेकोटी कार्यक्रमात पर्यावरण जागृती, विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेमावर आधारित पथनाट्य शिबिरार्थ्यांनी सादर करुन जनजागृती केली.

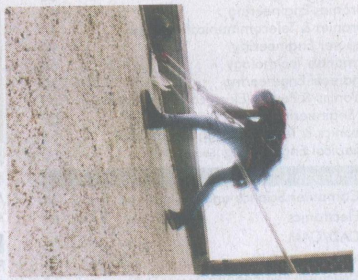

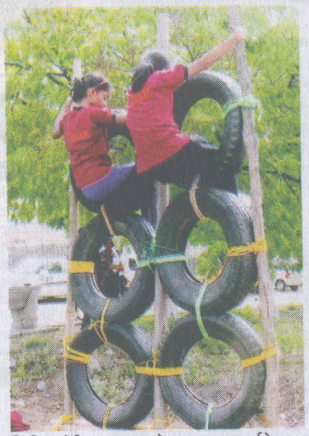

भिंतीवर दोरीच्या साहाय्याने चढून मदतकार्याचे प्रात्यक्षिक सादर करताना शिबिरार्थी.

यावेळी शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लीकर म्हणाले कृतीशिल नागरिक बनविण्यासाठी शिक्षणासोबत खेळ व साहस प्रकल्पाचे प्रशिक्षण विद्यार्थ्यांना दिले पाहिजे आणि या दृष्टीकोनातून हे साहस प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक आहे. डॉ. गोडे यांनी साहसी प्रशिक्षणाची शालेय व महाविद्यालयीन मुलामुलींना सैनिकी प्रशिक्षण आवश्यक आहे, असल्याचे मत व्यक्त केले. तर प्रा. मोहन गुजरकर यांनी कोणत्याही राष्ट्राची प्रगती ही येथील इमारती, कारखाने, उद्योग, शेती व दळणवळणाची सोय यावर अवलंबून नसून येथील शालेय महाविद्यालयीन मुलामुलींना कोणत्या प्रकारचे शिक्षण व आदर्श नागरिक बनविण्याचे प्रशिक्षण दिले जाते यावर अवलंबून असते, असे सांगितले.

या शिबिरात 'जंगल वाचवा', पाणी वाचवा, 'वन्य प्राण्याचे संरक्षण करा' व 'भ्रष्टाचाराविरुद्ध संघर्ष करा' या विषयावर चित्रकला व भाषण स्पर्धा घेण्यात आली. शिबिरादरम्यान डॉ. राजेंद्र बोरकर यांनी प्राथमिक उपचार किती महत्त्वाचे आहे याची माहिती दिली. तर प्रा. श्याम देशपांडे यांनी 'क्रांतीकारकाचे स्वातंत्र्यलढ्यात मोलाचे योगदान' या विषयावर मार्गदर्शन केले. माजी उपअभियंता के.आर. बजाज यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रमाचे महत्त्व विशद केले. आयोजनाकरिता चार संघ तयार करुन मुलांना भगतसिंग, छत्रपती शिवाजी महाराज, राणी लक्ष्मीबाई, राणी अहिल्याबाई यासह शुरविरांची माहिती व कार्य सांगितले.

कार्यक्रमाचे संचालन प्रा. रविंद्र गुजरकर यांनी केले तर आभार संतोष तुरक यांनी मानले. यावेळी शिबिरार्थी रिया हिवंज व सृजन मकरंदे यांनी मनोगत व्यक्त केले. यशस्वीतेकरिता अमोल तडस, धिरज कामडी, पवन, सुजित डुकरे, सचिन वैद्य, चेतन सातपुते व अश्विनी घोडखांदे यांनी सहकार्य केले. यानंतर शिबिरार्थींनी पाहुण्यांसमोर साहसी प्रात्यक्षिक सादर केली.(स्थानिक प्रतिनिधी)

शुक्रवार, १ मे २०१५

लोकशाही वार्ता

कार्यक्रम

हिंदी विश्वविद्यालयात व्याख्यानाचे आयोजन

समतावादी, मानवधर्माप्रती समर्पित होते सांस्कृत्यायन - डॉ. नीरन

■ प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालयात सांकृत्यायन यांच्या स्मृतिनिमित्याने आयोजित कार्यक्रम लेखक डॉ. अरुणेश नीरन म्हणाले की, राहुल सांकृत्यायन समतावादी आणि मानव धर्माप्रति समर्पित होते.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र म्हणाले की, राहुल सांकृत्यायन यांनी बुध्द धर्माचा अभ्यास करण्यासाठी अनेक देशांचे भ्रमण केले. सामाजिक जीवन कसे जगावे याचा मूलमंत्र त्यांना बौध्द तत्वज्ञानातून मिळाला आणि त्यांनी बौद्ध विचारांचा प्रचार-प्रसार करण्यात आपले जीवन खर्ची घातले. प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी राहुल सांकृत्यायन यांना धडाडीचा प्रवासी ही

संज्ञा दिली. प्रारंभी राहुल सांकृत्यायन यांच्या प्रतिमेला माल्यार्पण करून अभिनंदन करण्यात आले. पाहुण्यांचे स्वागत आनंद मंडित मलयज, नटराज वर्मा, शील भगत यांनी केले.

कार्यक्रमाचे संचालन आणि आभार पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मैत्रेयी घोष यांनी केले. यावेळी प्रो. एल.कारूण्यकरा, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. अरबिंद झा, प्रो. विजय कौल यांच्यासह अध्यापक, विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

गुरुवार, १४ मे २०१५

लोकशाही वार्ता

जय सिंगची निवड

प्रतिनिधी/ वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील मानवविज्ञान विभागाचा विद्यार्थी जय नारायण सिंग यांची भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षणात वरिष्ठ शोध अध्येता, सांस्कृतिक या पदावर निवड झाली आहे.

जय नारायण सिंग २०११ पासून विश्वविद्यालयात मानवविज्ञान विभागा पीएच.डी. करत असून तो 'देशी समुदायों का नृपारिस्थितिकीय अध्ययन' या विषयावर शोध करत आहे. त्याने १ मे रोजी पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपूर, राजस्थान येथे पदभार ग्रहण केला आहे.

मानवविज्ञान विषयात अकादमिक क्षेत्रात विश्वविद्यालयाशिवाय संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार अंतर्गत असणारी संस्था मानवविज्ञान सर्वेक्षण ही उच्चस्तरीय आणि गुणवत्तापूर्ण संस्था मानली जाते. जय नारायण सिंगने मानवविज्ञान विभागातून नेट उत्तीर्ण करून जेआरएफ प्राप्त केली आहे. त्याचे आठहून अधिक आलेख राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय जर्नल आणि संपादित पुस्तकांमध्ये प्रकाशित झाले आहेत. विश्वविद्यालयाच्या या उपलब्धिबद्दल त्यांचे कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र आणि मानवविज्ञान विभागाचे अध्यक्ष डॉ. फरहद मलिक व सहअध्यापकांनी अभिनंदन केले आहे. ■

शुक्रवार, १५ मे २०१५ तरुण भारत

जय नारायण सिंगची निवड

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठातील मानवविज्ञान विभागाचा विद्यार्थी जय नारायण सिंग याची भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षणात वरिष्ठ शोध अध्येता (सांस्कृतिक) या पदावर निवड करण्यात आली आहे. तो २०११ पासून विद्यापीठात मानव विज्ञान विभागात पीएच.डी. करीत आहे. त्याने १ मे रोजी पश्चिम क्षेत्रीय केंद्र उदयपूर, राजस्थान येथे पदभार ग्रहण केला आहे. त्याचे कुलगुरू प्रा. गिरिश्वर मिश्र, प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र, डॉ. फरहद मलिक व अध्यापकांनी कौतुक केले आहे. ■

शुक्रवार, १५ मे २०१५

लोकशाही वार्ता

साहस प्रशिक्षण शिबिरात बालकांना मिळाले स्वरक्षणाचे

पातकालीन स्थितीतील तकार्याची दिली माहिती

प्रतिनिधी/ वर्धा

आज खऱ्या अर्थाने निर्भय, व्यदक्ष, साहसी, समयसुचकता राष्ट्रप्रेमाने भारावलेल्या रिकांची आपल्या देशाला नितांत आहे. याकरिता वयापासूनच सैनिकी सिकता व राष्ट्रप्रेम- निर्माण गारे प्रशिक्षण देण्याची गरज न केवळ सैनिकी मानसिकता व माने भारावलेली पिढीच बदल शकते. प्रत्येक क्षेत्रात ासाकरिता शिस्त आवश्यक आहे, असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय विद्यापीठाचे कुलगुरू डॉ. विश्वेश्वर मिश्र यांनी केले.

येथील विद्यापीठाच्या सभागृहात सोमवारी झालेल्या प्रहारच्या मोफत साहस शिबिराच्या समारोपीय कार्यक्रमात ते बोलत होते.

स्थानिक प्रहार समाज जागृती संस्थेच्यावतीने सहा दिवसीय प्रहार ॲडवेंचर कॅम्प घेण्यात आला. यात निवडक ६२ शालेय मुलामुलींचा सहभाग होता. समारोपीय कार्यक्रमाला प्रमुख अतिथी म्हणून शिक्षणाधिकारी संजय डोलींकर, स्कॉउट-गाईडचे जिल्हा मुख्यालय आयुक्त डॉ. शिरीष गोडे, निसर्ग सेवा समितीचे

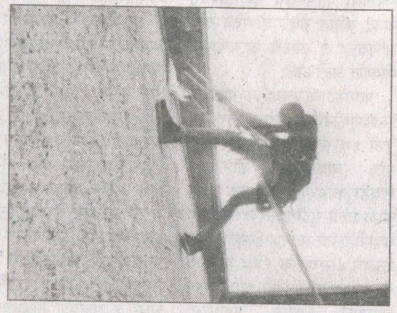

अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोडे, प्रहार संस्थेचे अध्यक्ष व होमगार्ड जिल्हा समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर उपस्थित होते.

यावेळी शिक्षणाधिकारी संजय डोलींकर म्हणाले कृतीशिल नागरिक बनविण्यासाठी शिक्षणासोबत खेळ व साहस प्रकल्पाचे प्रशिक्षण विद्यार्थ्यांना दिले पाहिजे आणि या दृष्टीकोनातून हे साहस प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक आहे. डॉ. गोडे यांनी साहसी प्रशिक्षणाची शालेय व महाविद्यालयीन मुलामुलींना सैनिकी प्रशिक्षण आवश्यक आहे, असल्याचे मत व्यक्त केले. तर प्रा. मोहन गुजरकर यांनी कोणत्याही राष्ट्राची प्रगती ही येथील इमारती, कारखाने, उद्योग, शेती व दळणवळणाची सोय यावर अवलंबून नसून येथील शालेय महाविद्यालयीन मुलामुलींना कोणत्या प्रकारचे शिक्षण व आदर्श नागरिक बनविण्याचे प्रशिक्षण दिले जाते यावर अवलंबून असते, असे सांगितले.

या शिबिरात 'जंगल वाचवा, पाणी वाचवा, वन्य प्राण्याचे संरक्षण करा व भ्रष्टाचाराविरुद्ध संघर्ष करा' या विषयावर चित्रकला व भाषण स्पर्धा घेण्यात आली. शिबिरादरम्यान डॉ. राजेंद्र बोरकर यांनी प्राथमिक उपचार किती महत्वाचे आहे याची माहिती दिली. तर प्रा. श्याम देशपांडे यांनी 'क्रांतीकारकाचे स्वातंत्र्यलढ्यात मोलाचे योगदान' या विषयावर मार्गदर्शन केले. माजी उपअभियंता के.आर.बजाज यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रमाचे महत्त्व विशद केले.

आयोजनाकरि
करून मुलांना
शिवाजी महार
राणी अहिल्या
माहिती व का
कार्यक्रमाच
गुजरकर यां
संतोष तुरक
शिबिराची रि
यांनी मनोग
यशस्वीतेकरि
धिरज कामडी,
सचिन वैद्य,
अश्विनी घोड
केले. यां
पाहुण्यांसमोर
सादर केले.

लोकशाही वार्ता । शुक्रवार, २९ मे २०१५

मध्यभारतातील विदेशी भाषेचे केंद्र
महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

प्रतिनिधी/वर्धा

जग हे एक खेडे झाले ही संकल्पना आल्यावर जगातील तमाम देशांतील अंतर तर कमी झाले. परंतु भाषा आज सुध्दा देशा-देशांमधील संवादात अडसर किंवा दरी बनत आहे. विविध भाषांच्या विस्ताराशिवाय देश एकमेकांजवळ येतील ही कल्पनाच अस्तित्वात येणे शक्य नाही. भाषा ही संवादाची महत्त्वाची वाहिनी आहे. त्यामुळे आजच्या युवकांना आपल्या परंपरागत विषयाशिवाय कमीत कमी एक विदेशी भाषा शिकणे आवश्यक झाले आहे. द्विपक्षीय संबंध प्रगाढ करण्यासाठी आणि देशां-देशांमधील

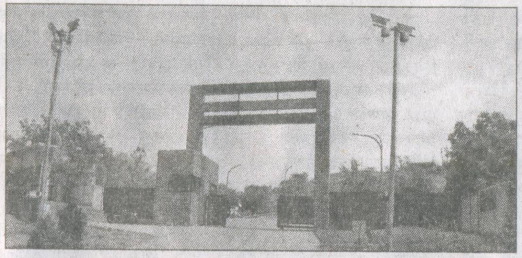

संवाद कायम करण्यासाठी विदेशी भाषा हे एक महत्वाचे रोजगाराचे साधन बनू शकते, ही भावना आता युवकांच्या मनात जागृत झाली आहे. देशां-देशांमध्ये आदान प्रदानाचे व्यवहार वाढल्याने रोजगाराचे अनेक क्षेत्र खुले झालेत आणि होत आहेत. हे लक्षात घेता वर्धेतील महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने अध्ययन आणि अध्यापनाच्या आपल्या कक्षात रूंदावत विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र सुरू केले आहे. केंद्राचे नाव भारतीय आणि विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र असे आहे. विदेशी आणि भारतीय भाषांमध्ये संवाद, अनुवाद, आणि ज्ञान-विज्ञानाचे आदाप-प्रदान करणे हा या केंद्राचा विधायक हेतु आहे. या केंद्राच्या वतीने चीन, फ्रेंच, जापानी आणि स्पेनिश या महत्वाच्या चार भाषांचे अभ्यासक्रम सुरू केले आहेत. तर मराठी, उर्दू, संस्कृत आणि इंग्रजी या भाषांमध्ये शिकण्याची सोय येथे आहे. आपण इंजीनियर, पत्रकार, भाषाविद, भाषावैज्ञानिक, चिकित्सक किंवा अन्य कोणत्याही क्षेत्रात असाल तर यापैकी एक भाषा जरी आपणास अवगत असेल तर त्याचा विस्तार आपण आपले व्यक्तीमत्व विकसित करण्याबरोबरच रोजगार आणि व्यवसाय यासाठी नक्कीच करू शकतो. व्यक्तीमत्व विकास, रोजगार आणि भाषा प्रभुत्व या त्रिवेणीतून अनेक गोष्टींची पूर्तता करता येणे शक्य आहे. रोजगाराशिवाय व्यवसायाकरिता या भाषा महत्त्वाच्या साधन ठरू पाहात आहेत.

लोकशाही वार्ता

शनिवार, ३० मे २०१५

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या प्रवेश परीक्षा आजपासून

प्रतिनिधी/ वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा येथे शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ मध्ये प्रवेश घेण्यासाठी घेण्यात यावयाच्या प्रवेश परीक्षा शनिवार दि. ३० मे पासून सुरू होत आहेत. या परीक्षा ३० ते ३१ मे तथा १ जून रोजी सकाळी ९ ते १२ आणि दुपारी २ ते ५ या वेळात घेण्यात येणार आहेत. एम.ए., एम.फील, पीएचडी, बी.एड., एम.कॉम. तथा एबीए इत्यादी अभ्यासक्रमांमध्ये प्रवेश घेण्यासाठी वर्धा, दिल्ली, अलाहाबाद आणि कोलकाता या चार केंद्रावर लिखित प्रवेश परीक्षा घेतल्या जातील. देशभरातील विद्यार्थी या परीक्षांना उपस्थित होणार आहेत. वर्धा केंद्राची परीक्षा विश्वविद्यालयातील मुक्तीबोध भवन येथे होईल तर दिल्ली केंद्राची परीक्षा टेक्निया इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ट स्टडीज, ३ पीएपी इंस्टीट्यूशनल एरिया, मधुबन चौक, रोहिणी, प्रीतमपूरा मेट्रो स्टेशनजवळ, नवी दिल्ली येथे होईल. अलाहाबाद केंद्राची परीक्षा अलाहाबाद क्षेत्रीय केंद्र, २४/२८, सरोजिनी नायडू मार्ग, अलाहाबाद येथे तर कोलकाताचे परीक्षा केंद्र कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र, एकताम इंजेडसीसी, आईए-२९०, सेक्टर ३, साल्टलेक सिटी, कोलकाता येथे राहणार आहे.

महाराष्ट्र टाइम्स

सोमवार, ४ मे २०१५

PLANET CAMPUS

उज्ज्वल भविष्यासाठी

नोटीस बोर्ड

हिंदी विद्यापीठात परफॉर्मिंग आर्टस् विभागाचे प्रवेश सुरू

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा येथे मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस (फिल्म/थिएटर)ची प्रवेश प्रक्रिया सुरू झाली आहे. एमए., एमफिल, पीएचडी आणि भारतीय व पाश्चात्य कला तथा सौंदर्यशास्त्राच्या पदव्युत्तर पदविकासाठी हे प्रवेश राहणार आहेत. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वबिद्यालयाला यावर्षी नॅकद्वारा 'ए' श्रेणी बहाल करण्यात आली असून येथील परफॉर्मिंग आर्ट डिपार्टमेंटमध्ये सैद्धांतिक आणि व्यावहारिक असे दोन्ही अभ्यासक्रम या विभागात शिकविले जातात. शिवाय प्रवेश प्रक्रियेत अनुसूचित जाती,जनजाती, इतर मागासवर्ग, विकलांग, पूर्वोत्तर राज्यातील विद्यार्थी, काश्मिरी विस्थापित, सेनेतील सेवानिवृत्त कर्मचाऱ्यांचे पाल्य यांना विद्यापीठ अनुदान आयोग तसेच केंद्र सरकारच्या नियमाप्रमाणे आरक्षण दिले जाणार आहे. परफॉर्मिंग आर्ट (फिल्म /थिएटर)शिवाय हिंदी माध्यमातून संचालित इतर नियमित अभ्यासक्रमाची माहिती विद्यापीठच्या www.hindivishwa.org या वेबसाइटवर उपलब्ध आहे. याबरोबरच अधिक माहितीसाठी ०७१५२-२५१६६१ यावर संपर्क साधावा, असे आवाहन डिपार्टमेंट ऑफ परफॉर्मिंग आर्टस्चे प्रभारी विभागप्रमुख डॉ. सतीश पावडे यांनी केले आहे.

नवभारत

5 मई, 2015

प्रहार का कल से एडवेंचर कैम्प

वर्धा (का). प्रहार जागृति संस्था की ओर से प्रहार एडवेंचर कैंप 6 से 10 मई तक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि परिसर में आयोजित किया है. इसमें 9 से 17 आयु गुट के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे. शिविर में 21 प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाएंगे जिसमें सैनिकी प्रशिक्षण, निशानेबाजी, धनुर्विद्या, ट्रेझर हंट, जंगल भ्रमण, नागरी सुरक्षा प्रशिक्षण व अन्य साहसी उपक्रम शामिल रहेंगे. शिविर में चयन किए गए लड़के-लड़कियों को 22 मई से 2 जून तक हिमाचल प्रदेश के भरसौर में आयोजित हिमालय ट्रैकिंग कैंप में प्रवेश दिया जाएगा. अधिक जानकारी हेतु प्रहार के अध्यक्ष व होमगार्ड के जिला समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर, प्रा. रवींद्र गुजरकर, संतोष तुरक, प्रदीप दाते, मुरलीधर बेलखोडे से 5 मई तक संपर्क कर सकते हैं.

नवभारत
8 मई, 2015

कामगार भवन बनाने का प्रयास करेंगे : तड़स

वर्धा (का). कामगार संगठन संयुक्त कृति समिति वर्धा की ओर विश्व कामगार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विद्यापीठ के कुलगुरू गिरीश्वर मिश्र ने की. चर्चासत्र का उद्घाटन किसान नेता विजय जावंधिया ने किया. इस अवसर पर प्रमुख अतिथि सांसद रामदास तडस, डा अशोक चोंपडे, गुणवंत डकरे, कार्याध्यक्ष प्रदीप दाते, महासचिव नरेश गेडे, संगठक नंदकुमार वानखेडे उपस्थित थे. शहर में कामगारों के लिए कामगार भवन बनाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन सांसद रामदास तडस ने दिया. प्रस्तावना गुणवंत डकरे व संचालन नंदकुमार वानखेडे ने रखी. आभार प्रदीप दाते ने माना. कार्यक्रम में विनोद भालतडक, नरेंद्र काले, प्रकाश बमनोटे, किशोर देशपांडे, जयेश भोयर, सुभाष ठकरे, सुनील घिमे, रंजना दाते, अलका वानखेडे आदि उपस्थित थे.

नवभारत

13 मई, 2015

भूकम्प पीड़ितों के लिए राहत कोष में मदद निधि भेजी

वर्धा (का). महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथ शोधार्थियों ने नेपाल-भारत भूकंप पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हु प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धनराशि संग्रहित की तथा उसे राहत कोष में जम कराया है. सहायता राशि विश्वविद्यालय के गोरख पांडेय छात्रावास तथ सावित्रीबाईफुले महिला छात्रावास से एकित्रत की गई. सहायता राशि जमा करने में रामशंकर, उमेश कुमार सिंह, प्रदीप त्रिपाठी तथा संतोष मिश्रा आदि छात्रों ने सहयोग किया. इस राहत कोष राशि संग्रहण अभियान में पांच हजार एक सौ इकतालीस रुपए प्राप्त हुए. इस राशि को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा भेजा गया है.

नवभारत

16 मई, 2015

(19)

सैनिकी मानसिकता व अनुशासन जरूरी

डा. मिश्र का प्रतिपादन

वर्धा (का). आज के युग में निर्भय, कर्तव्यदक्ष, साहसी, समयसूचकता, राष्ट्रप्रेम से जागृत नागारिकों की देश को आवश्यकता है. ऐसे में बच्चों को बचपन से ही सैनिकी मानसिकता, अनुशासन व राष्ट्रप्रेम निर्माण करनेवाले प्रशिक्षण की जरूरत है. प्रत्येक क्षेत्र में विकास के लिए अनुशासन आवश्यक है. उक्त प्रतिपादन कुलगुरु डा.विश्वेश्वर मिश्र ने किए. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि के सभागृह में हुए प्रहार के एडवेंचर कैंप के समापन कार्यक्रम में वे बोल रहे थे. इसमें 62 शालेय लड़के-लड़कियां शामिल हुई.

मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लीकर, स्काउट-गाइड के जिला मुख्यालय आयुक्त डा.शिरीष गोडे, निसर्ग सेवा समिति के अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोडे व प्रहार संस्था के अध्यक्ष व होमगार्ड क जिला समादेशक प्रा.मोहन गुजरकर उपस्थित थे. कार्यक्रम में पर्यावरण जागृति, विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेम पर आधारित विविध पथनाट्य शिविरार्थियों ने प्रस्तुत किए. शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लीकर ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को खेल व साहस का प्रशिक्षण देना आवश्यक है. इस अवसर पर रिया हिवंज व सुजन मकरंदे आदि ने भी विचार व्यक्त किए. डा.राजेंद्र बोरकर, प्रा.श्याम देशपांडे ने मार्गदर्शन किया. पूर्व उपअभियंता के.आर. बजाज ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का महत्व बताया. संचालन प्रा.खींद्र गुजरकर ने किया. संतोष तुरक ने आभार माना.

रविवार, 17 मई 2015

प्रतिदिन 3रा दशक अखबार

बच्चों में सैनिकी मानसिकता, अनुशासन व राष्ट्रप्रेम की जरूरत

डॉ. विश्वेश्वर मिश्र का प्रतिपादन

वर्धा : एडवेंचर कैम्प के समापन कार्यक्रम का एक नजारा.

प्रतिनिधि, 16 मई

वर्धा- आज के युग में निर्भय, कर्तव्यदक्ष, साहसी, समय सूचकता, राष्ट्रप्रेम से जागृत नागरिकों की देश को आवश्यकता है. ऐसे में बच्चों को बचपन से ही सैनिकी मानसिकता, अनुशासन व राष्ट्रप्रेम निर्माण करने वाले प्रशिक्षण की जरूरत है.

प्रत्येक क्षेत्र में विकास के लिए अनुशासन आवश्यक है. उक्त प्रतिपादन कुलगुरु डॉ. विश्वेश्वर मिश्र ने किया. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विवि के सभागृह में हुए प्रहार के एडवेंचर कैम्प के समापन कार्यक्रम में वे बोल रहे थे. इसमें 62 शालेय लड़के-लड़कियां शामिल हुए.

मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षणाधिकारी संजय डोलीकर, स्काउट-गाइड के जिला मुख्यालय आयुक्त डॉ. शिरीष गोडे, निसर्ग सेवा समिति के अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोड़े व प्रहार संस्था के अध्यक्ष व होमगार्ड के जिला समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर उपस्थित थे.

कार्यक्रम में पर्यावरण जागृति, विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेम पर आधारित विविध पथनाट्य शिविरार्थियों ने प्रस्तुत किए. शिक्षणाधिकारी संजय डोलीकर ने कहा कि शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को खेल व साहस का प्रशिक्षण देना आवश्यक है.

इस अवसर पर रिया हिवंज व सुजन मकरंदे आदि ने भी विचार व्यक्त किए. डॉ. राजेंद्र बोरकर, प्रा. श्याम देशपांडे ने मार्गदर्शन किया. पूर्व उपअभियंता के.आर. बजाज ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का महत्व बताया. संचालन प्रा. रविंद्र गुजरकर ने किया व आभार संतोष तुरक ने माना.

क्रिकेट देखते हुए लोग सबसे ज्यादा

प्रतिदिन 3रा दशक अखबार
, बुधवार, 20 मई 2015

हिंदी विवि में आवेदन की तिथि बढ़ी

एमए, एमफिल, पीएचडी के लिए 23 मई तक कर सकेंगे आवेदन

प्रतिनिधि, 19 मई

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन प्राप्त करने तथा जमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 23 मई 2015 कर दी गई है.

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के अनुसार वर्तमानकाल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रासंगिक क्षेत्रों में उच्च अध्ययन और शोध के लिए सतत् प्रयास कर रहा है. विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं, छात्रावास व्यवस्था, पुस्तकालय, वाई-फाई आदि से सुसज्जित है. मीडिया और वैश्वीकरण के युग में आए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर, विदेशी भाषा, जनसंचार, साहित्य, अनुवाद, फिल्म तथा थिएटर, स्त्री अध्ययन, मनोविज्ञान, मानवविज्ञान, समाजकार्य, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, बीएड, एमकॉम, बीए तथा एमबीए आदि पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं. विश्वविद्यालय के इलाहाबाद और कोलकाता केंद्र पर भी विभिन्न अनुशासनों के पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं.

ज्ञान शांति मैत्री

वहीं दलित तथा जनजाति अध्ययन, डायस्पोरा, विकास एवं शांति, फॉरेंसिक साइंस, योग और स्वास्थ्य अध्ययन, डीसीए, एनजीओ प्रबंधन, विज्ञापन एवं जनसंपर्क तथा बौद्ध अध्ययन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर हिंदी माध्यम से पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं.

विश्वविद्यालय में एमए, एमफिल और पीएचडी के साथ विभिन्न विषयों में पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, मराठी, उर्दू, संस्कृत, स्पेनिश, जापानी, चीनी, अंग्रेजी और फ्रेंच आदि भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं एडवांस्ड डिप्लोमा में पढ़ाई होती है. इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदक 23 मई तक आवेदन कर सकते हैं. प्रवेश के लिए ऑनलाईन भी आवेदन किए जा सकते हैं, अधिक जानकारी के लिए अकादमिक विभाग से 07152251661 पर संपर्क किया जा सकता है.

सकाळ
बुधवार, १३ मे २०१५

राष्ट्रप्रेमाने भारलेली पिढीच बदल घडवू शकते

कुलगुरू डॉ. विश्वेश्वर मिश्र : प्रहार समाजजागृती संस्थेच्या साहस शिबिराची सांगता

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. १२ : आज खऱ्या अर्थाने निर्भय, कर्तव्यदक्ष, साहसी, समयसूचक व राष्ट्रप्रेमाने भारावलेल्या नागरिकांची देशाला नितांत गरज आहे. बालवयापासून सैनिकी मानसिकता व राष्ट्रप्रेम निर्माण करणारे प्रशिक्षण देण्याची गरज आहे. प्रत्येक क्षेत्रात विकासाकरिता प्रामाणिकता, शिस्त आवश्यक आहे. केवळ सैनिक मानसिकता आणि राष्ट्रप्रेमाने भारावलेली पिढीच बदल घडवू शकते, असे विचार महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू डॉ. विश्वेश्वर मिश्र यांनी व्यक्त केले.

प्रहार समाजजागृती संस्थेच्या साहस शिबिराचा समारोप रविवारी (ता. १०) हिंदी विश्वविद्यालयाच्या सभागृहात पार पडला. याप्रसंगी कुलगुरू डॉ. मिश्र बोलत होते. सहा दिवसांच्या या शिबिरात ६२ शालेय मुला-मुलींना भाग घेतला. समारोपीय कार्यक्रमाला शिक्षणाधिकारी संजय डोर्लीकर, स्काउट गाइडचे जिल्हा आयुक्त डॉ. शिरीष गोडे, निसर्ग सेवा समितीचे अध्यक्ष मुरलीधर बेलखोडे, प्रहार संस्थेचे अध्यक्ष तथा गृहरक्षक दलाचे जिल्हा समादेशक प्रा. मोहन गुजरकर यांची प्रमुख उपस्थिती होती.

या शिबिरात १५ प्रकारचे अडथळा पार प्रशिक्षण, रॅपलिंग, नागरी सुरक्षा प्रशिक्षण, जंगल भ्रमण, ट्रेझर हंट व विविध प्रकारचे साहसी प्रशिक्षण देण्यात आले. शेकोटी कार्यक्रमात शिबिरार्थींनी पर्यावरण जागृती, विविध सामाजिक समस्या व राष्ट्रप्रेमावर आधारित विविध पथनाट्य सादर केले.

पान २ वर

वर्धा : शिबिराच्या समारोपप्रसंगी साहसी प्रशिक्षणाचे प्रात्यक्षिक करून दाखविताना एक शिबिरार्थी. बाजूला कुलगुरू डॉ. मिश्र, डॉ. शिरीष गोडे, शिक्षणाधिकारी डोर्लीकर आणि मान्यवर.

राष्ट्रप्रेमाने भारलेली पिढीच बदल घडवू शकते

शिक्षणाधिकारी डोर्लीकर म्हणाले, कृतिशील नागरिक घडविण्याकरिता शिक्षणासोबत खेळ व साहस प्रकल्पाचे प्रशिक्षण विद्यार्थ्यांना दिले पाहिजे. याकरिता प्रहारचे प्रशिक्षण अत्यंत उपयुक्त आहे. डॉ. गोडे यांनी प्रहारच्या साहसी प्रशिक्षणाची प्रशंसा करून शालेय व महाविद्यालयीन मुला-मुलींना प्रहारचे सैनिकी प्रशिक्षण आवश्यक आहे, असे मत व्यक्त केले.

शिबिर प्रमुख प्रा. मोहन गुजरकर यांनी आपल्या प्रास्ताविकात राष्ट्राची प्रगती मुलामुलींना कशाप्रकारचे शिक्षण दिले जाते, आदर्श नागरिक घडविण्याचे प्रशिक्षण दिले जाते, यावर अवलंबून असते, असे सांगितले. मुलांच्या मनात देश, समाजाविषयी सकारात्मक विचार रुजविण्याचा प्रयत्न प्रहार संस्थेतर्फे केला जात असल्याचेही त्यांनी स्पष्ट केले.

या शिबिरादरम्यान 'जंगल वाचवा', 'पाणी वाचवा', 'वन्यप्राण्यांचे संरक्षण करा' आणि 'भ्रष्टाचाराविरुद्ध संघर्ष करा' या विषयांवर चित्रकला व भाषण स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. शिबिरादरम्यान डॉ. राजेंद्र बोरकर यांनी प्राथमिक उपचार किती महत्त्वाचे आहे, तर प्रा. श्याम देशपांडे यांनी 'क्रांतिकारकांचे स्वातंत्र्यलढ्यात मोलाचे योगदान' या विषयांवर मार्गदर्शन केले. सेवानिवृत्त उपअभियंता के. आर. बजाज व सौ. बजाज यांनी सांस्कृतिक कार्यक्रमांचे महत्त्व विशद केले. रिया हिवंज, सृजन मकरंदे या शिबिरार्थ्यांनी मनोगत व्यक्त केले. संचालन प्रशिक्षक प्रा. रवींद्र गुजरकर यांनी केले. संतोष तुरक यांनी आभार मानले. आयोजनाकरिता अमोल तडस, धीरज कामडी, चंद्रकांत हिवरे, राजेंद्र घोडमारे, सुजित डुकरे, सचिन वैद्य, चेतन सातपुते, अश्विनी घोडखांदे यांनी सहकार्य केले.

सकाळ

१३ मे २०१५

'कामगार चळवळीची दशा व दिशा' चर्चासत्र

सकाळ वृत्तसेवा

वर्धा, ता. १२ : कामगार संघटना कृती समितीद्वारे जागतिक कामगारदिनाचे औचित्य साधून 'भारतातील कामगार चळवळीची दशा व दिशा' या विषयावर चर्चासत्राचे आयोजन करण्यात आले होते. यावेळी कामगारांचा सत्कार आणि कामगार संदेश या मुखपत्राचे प्रकाशन करण्यात आले.

कार्यक्रमाचे उद्‌घाटन शेतकरी नेते विजय जावंधिया यांच्या हस्ते झाले. अध्यक्षस्थानी हिंदी विश्व विद्यालयाचे कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र होते. खासदार रामदास तडस, डॉ. अशोक चोपडे, कामगार संघटना समितीचे अध्यक्ष गुणवंत डकरे, कार्याध्यक्ष प्रदीप दाते, सरचिटणीस नरेश भेंडे, संघटक नंदकुमार वानखेडे आदींची उपस्थिती होती. कामगारांच्या श्रमावरच या देशाची अर्थव्यवस्था उभी असताना त्यांची उपेक्षा करणे कदापि योग्य नाही. प्रबोधन करणाऱ्या कार्यकर्त्यांनी सामजिक व मानसिक अवस्थेचा अभ्यास करून चळवळ गतिमान करावी. शेतकऱ्यांच्या शेतमालाला जगण्याइतपत भाव मिळाला पाहिजे, असा सूर या चर्चासत्रात निघाला. यावेळी कामगार संदेश या मुखपत्राचे प्रकाशन मान्यवरांच्या हस्ते करण्यात आले. तसेच १९ मान्यवरांचा प्रशस्तिपत्र आणि स्मृतिचिन्ह देऊन सत्कार करण्यात आला.

प्रास्ताविक गुणवंत डकरे यांनी केले. संचालन नंदकुमार वानखेडे यांनी केले. प्रदीप दाते यांनी आभार मानले. आयोजनाकरिता नरेंद्र कांबळे, किशोर देशपांडे, विनोद भालतडक, प्रकाश बुमनोटे, सुभाष ठाकरे, राजू करपाते, हेमंत तलमले, जयेश भोयर, शंकर मोहदुरे, श्री. जांभूळकर, दाभेकर, सुनील घिमे आदींनी सहकार्य केले. कार्यक्रमाला निसर्ग सेवा समितीचे मुरलीधर बेलखोडे, आधारवडचे श्यामकांत देशपांडे यांची उपस्थिती होती.

वर्धा : कामगार संदेश मुखपत्राचे प्रकाशन करताना शेतकरी नेते विजय जावंधिया, प्रदीप दाते, कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र व इतर.

सकाळ

शनिवार, २३ मे २०१५

भूकंपग्रस्तांना विश्वविद्यालयाचा मदतीचा हात

वर्धा, ता. २२ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने नेपाळ आणि भारतात आलेल्या भूकंपातील पीडितांच्या मदतीकरिता आपल्या संवेदना व्यक्त करीत पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीत तीन लाख छत्तीस हजार ८१३ रुपयांची मदत पाठविली आहे.

विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र यांनी अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांना भूकंपग्रस्तांच्या मदतीकरिता एक दिवसाच्या पगारातून मदत करण्याचे आवाहन केले होते. या आवाहनाला सकारात्मक प्रतिसाद देत अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांनी आपला एक दिवसाचा पगार पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीत पाठविला. विश्वविद्यालयाचे वित्ताधिकारी संजय भास्कर गवई यांनी या निधीचा डीडी विश्वविद्यालयाच्या वतीने पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीत जमा केला.

भूकंपग्रस्तांना विश्वविद्यालयाचा मदतीचा हात

विश्वविद्यालयाच्या कर्मचाऱ्यांनी दाखविलेल्या संवेदनशीलतेप्रती कुलगुरू प्रा. गिरीश्वर मिश्र आणि प्र-कुलगुरू प्रा. चित्तरंजन मिश्र यांनी सर्व अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांचे यांचे आभार मानले आहे.

लोकशाही वार्ता | रविवार, २४ मे २०१५ |

हिंदी विश्वविद्यालयातर्फे 'नेपाल-भारत' भूकंपग्रस्तांना मदत

■ प्रतिनिधी/ वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाने नेपाळ आणि भारतात आलेल्या भूकंपात पीडित झालेल्यांच्या मदतीकरिता आपल्या संवेदना व्यक्त करत पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये तीन लाख छत्तीस हजार आठशे रुपयाची मदत पाठविली आहे.

कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी आपले अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांना भूकंपग्रस्तांच्या मदतीसाठी एक दिवसाच्या या पगारातून मदत करण्याचे आवाहन केले होते. या आवाहनाला सकारात्मक प्रतिसाद देत अधिकारी आणि कर्मचाऱ्यांनी आपला एक दिवसाचा पगार पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये पाठविला. विश्वविद्यालयाचे वित्तधिकारी संजय भास्कर गवई यांनी ३,३६,८१३ रुपयाचा डीडी विश्वविद्यालयाच्या वतीने या निधीमध्ये जमा केला. विश्वविद्यालयाच्या कर्मचाऱ्यांनी दाखविलेल्या संवेदनशीलतेप्रती कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र आणि प्रकुलगुरू प्रो. चित्तरंजन मिश्र यांनी समस्त अधिकारी आणि कर्मचारी यांचे आभार मानले आहे. ■

एक दिवसाच्या पगारातून पाठविले तीन लाख छत्तीस हजार रुपये

सकाळ
२४ मे २०१५

29

हिंदी विश्वविद्यालयाचे प्रा. अरविंद कुमार झा यांची निवड

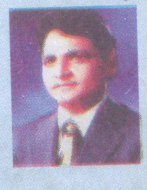

वर्धा, ता. २३ : राष्ट्रपती भवनात ६ ते १२ जून दरम्यान शिक्षकांकरिता आयोजित कार्यशाळेकरिता महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील शिक्षण विभागाचे अधिष्ठाता प्रा. अरविंद कुमार झा यांची निवड करण्यात आली आहे. राष्ट्रपती प्रणव मुखर्जी यांनी फेब्रुवारी २०१५ मध्ये केंद्रीय विद्यापीठांच्या कुलगुरूंच्या संमेलनात अध्यापकांकरिता कार्यशाळा घेण्याची घोषणा केली होती. या संमेलनात कुलगुरु प्रा. गिरिश्वर मिश्र सहभागी झाले होते. सात दिवसीय कार्यशाळेत देशभरातील केंद्रीय विश्वविद्यालयाचे ४०प्राध्यापक सहभागी होतील. कार्यशाळेत राष्ट्रपती प्रणव मुखर्जी हे प्राध्यापकांशी चर्चा करणार आहेत. कार्यशाळेच्या कालावधीत गुडगाव, नोईडा, ग्रेटर नोईडा, मनेसर, जी. डी. गोयंका, बी. एम. मुंजाल, एमटी, गौतम बुद्ध व शिवनागर येथील विद्यापीठांना भेटी देतील. ९ जून रोजी मनुष्यबळ विकास मंत्री, नगर विकास राज्यमंत्री व नीती आयोगाचे उपाध्यक्ष यांच्याशी आधुनिक शिक्षण पद्धतीविषयी चर्चा होईल. याशिवाय इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट, आयबीएम, फिक्की तसेच सीआयआय कंपन्यांच्या शिक्षण विभागाच्या अधिकाऱ्यांशी शिक्षणात माहिती तंत्रज्ञानाचा वापर विषयावर संवाद साधणार आहेत.

प्रतिदिन अखबार
मंगलवार, 26 मई 2015

प्रा. अरविंदकुमार झा का चयन

राष्ट्रपति भवन में शिक्षक कार्यशाला

प्रतिनिधि, 25 मई

वर्धा- राष्ट्रपति भवन में आगामी 6 से 12 जून तक शिक्षकों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई है. स्थानीय महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रा. अरविंदकुमार झा का इस कार्यशाला के लिए चयन हुआ है. महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने फरवरी 2015 में केन्द्रीय विद्यापीठ के कुलगुरु सम्मेलन में अध्यापकों के लिए राष्ट्रपति भवन में निवासी कार्यशाला लेने की घोषणा की थी. इस 7 दिवसीय कार्यशाला में देशभर के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के 40 अध्यापक सहभागी हो रहे हैं.

कार्यशाला में अध्यापक और राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के बीच चर्चा होगी. साथ ही गुड़गांव, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, के.आर. मंगलम्, जी.डी. गोयनका, बी.एम. मुंजाल, एमिटी, गौतम बुद्ध, शिवनागर आदि विद्यापीठों को भेंट दी जाएगी. 9 जून को अध्यापक मनुष्यबल विकास मंत्री, नगर विकास राज्यमंत्री व नीति आयोग के उपाध्यक्ष से चर्चा करेंगे. अध्यापक राष्ट्रपति के सचिव से चर्चा कर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे.

शुक्रवार, 1 मई 2015

लोकमत समाचार

भूकंप पीड़ितों के लिए राहत कोष में मदद निधि भेजी

वर्धा। 30 अप्रैल (लोस)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों ने सोमवार तथा मंगलवार को नेपाल-भारत भूकंप पीडितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धनराशि संग्रहित की तथा उसे राहत कोष में जमा कराया है.

सहायता राशि विश्वविद्यालय के गोरख पांडेय छात्रावास तथा सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास से एकित्रत की गई सहायता राशि जमा करने में रामशंकर, उमेश कुमार सिंह, प्रदीप त्रिपाठी तथा संतोष मिश्रा आदि छात्रों ने सहयोग किया. छात्र-छात्राओं तथा शोधार्थियों ने स्वेच्छानुसार राशि प्रदान कर भूकंप पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की.

इस राहत कोष राशि संग्रहण अभियान में पांच हजार एक सौ इकतालीस रुपए प्राप्त हुए. इस राशि को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा भेजा गया है. विद्यार्थियों के इस उपक्रम की सर्वत्र सराहना की जा रही है.

लोकशाही वार्ता । शुक्रवार, १ मे २०१५

हिंदी विश्वविद्यालयातील विद्यार्थ्यांचा भूकंपग्रस्तांना मदतीचा हात

प्रतिनिधी/वर्धा

महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील विद्यार्थ्यांनी नेपाळ आणि भारतात आलेल्या भूकंपात पीडित झालेल्यांच्या मदतीकरिता आपल्या संवेदना व्यक्त करत पंतप्रधान राष्ट्रीय मदत निधीमध्ये मदत पाठविली. पाच हजार एक्केचाळीस रुपयाचा हा निधी विश्वविद्यालयातील गोरख पांडेय आणि सावित्रीबाई फुले महिला वसतिगृहातील विद्यार्थी आणि विद्यार्थ्यांनींनी स्वच्छेने जमा करून तो डीमांड ड्राफटच्या माध्यमातून पंतप्रधान मदत निधीला पाठविली. निधी जमा करण्यासाठी रामशंकर, उमेश कुमार सिंह, प्रदीप त्रिपाठी तथा संतोष मिश्रा यांनी सहकार्य केले.

लोकमत समाचार

शुक्रवार, 1 मई 2015

41

हम कब तक तमाशबीन बने रहेंगे!

गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भारत के सामाजिक इतिहास में यह घटना अविस्मरणीय रहेगी कि एक राजनैतिक-सामाजिक मंच के आयोजन के दौरान, जिसमें एक प्रदेश का नामचीन मुख्यमंत्री भी शिरकत कर रहा हो, दिनदहाड़े सबकी आंखों के सामने एक किसान पेड़ पर चढ़ता है, ऊंची डाल पर बैठता है, फांसी का फंदा बनाता है और उससे लटक कर मौत को गले लगा लेता है. यह घटनाक्रम सभी देख रहे हैं पर सभा पूर्ववत जारी रहती है.

यह अलग बात है कि बेहद जानदार आप पार्टी द्वारा आयोजित यह सभा किसानों की जिंदगी के प्रश्नों पर सबका ध्यान आकृष्ट करने के लिए आयोजित की गई थी. कितनी विडंबना है कि जो सभा इस दुखद घटनाक्रम की चश्मदीद थी वह किसान की पक्षधरता को स्थापित करने में मशगूल थी, वह अविचल वैसी ही बनी रही. पूरी सभा एक खेतिहर किसान की असमय अकाल मृत्यु की साक्षी थी, पर अखबारों की मानें तो किसानों के पक्ष में उनकी प्रतिबद्धता इतनी जुनूनी थी कि वे बिना किसी व्यवधान के सभा चलाते रहे. किसान की मृत्यु की यह अत्यंत दुखद घटना भी किसान की पक्षधरता को स्थापित करने के अनथक प्रयास से उन्हें डिगा नहीं सकी. देखते हुए को अनदेखा करती सभा अपने लक्ष्य को पाने में मशगूल रही, नेता जी का प्रवचन बदस्तूर जारी रहा. मृत्यु का क्या वह तो होनी ही है, यह तो ध्रुव सत्य है पर राजनीति का क्या ठिकाना? वह क्षण-क्षण में रंग बदलती है अतः उसकी फौरी जरूरतों को किसी शर्त पर टाला नहीं जा सकता.

किसान-संवेदना का यह वीभत्स और क्रूर प्रकरण हमारे समाज के चरित्र या स्वभाव के कुछ ऐसे पक्षों पर टिप्पणी भी है जो उस तरफ भी संकेत करती है जो विसंगति से भरे हैं. यह सब एक करारा व्यंग्य भी है हमारी जर्जर होती, टूटती चरमराती प्रशासन व्यवस्था पर, थोथरी होती जाती संवेदना पर, समाप्तप्राय मानवीय बोध पर और सबकुछ को सतही तौर पर या कहें 'कैजुअली' ग्रहण करने की बढ़ रही प्रवृत्ति पर. यह निश्चय ही एक अद्‌भुत अपूर्व दृश्य है जहां एक सार्वजनिक स्थल पर यह अनहोनी घटित होती है, माननीय मुख्यमंत्री उपस्थित हैं (और साथ ही उनका प्रशासनिक अमला भी!), उत्साहसंपन्न जनता भी मौजूद है; सभी कौतूहल से देख रहे हैं, शायद चकित भी हैं कि किसान की जिस मजबूरी का जिक्र वहां किया जा रहा है, वह स्वयं प्रत्यक्ष रूप में उपस्थित है, पर घटना ऐसा खतरनाक मोड़ ले लेगी, इसका किसी को अंदाजा नहीं था.समाज में आज सभी मूकदर्शक बन बैठे हैं. वे सिर्फ और सिर्फ तमाशबीन हैं. दूसरी ओर नायक गण तमाशा से ही सब सच को रचने-रचाने के काम में जुटे हुए हैं. अभिनेता तो तमाशा करते ही हैं, वह तो उनका व्यवसाय है, पर हमारे राजनेता भी आए दिन तमाशा करने से बाज नहीं आते ('रोड शो' सड़कछाप तमाशा तो अब राजनीति का वैध अंग बन चुका है!). तमाशा देखना और दिखाना ही हमारा व्यसन होता जा रहा है. पर तमाशा तो तमाशा होता है. सत्य और प्रामाणिकता से उसका बहुत दूर का रिश्ता होता है.

> हम सभी तरह-तरह का तमाशा देखने के आदी हो चुके हैं. आज तमाशा एक राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है. रैलियां, रेला और महारैलियां की जाती हैं. ठेकों पर ट्रकों, बसों, और ट्रेनों आदि में भर-भर कर लोग लाए जाते हैं. पशुओं की तरह उन बेचारों को लाकर कुछ चारा दे दिया जाता है. आम तौर पर तो उन्हें यह भी मालूम नहीं रहता कि वे कहां ले जाए जा रहे हैं, क्यों लाए जा रहे हैं और उन्हें क्या करना है.

हम सभी तरह-तरह का तमाशा देखने के आदी हो चुके हैं. आज तमाशा एक राष्ट्रीय उत्सव का रूप ले चुका है. रैलियां, रेला और महारैलियां की जाती हैं. ठेकों पर ट्रकों, बसों, और ट्रेनों आदि में भर-भर कर लोग लाए जाते हैं. पशुओं की तरह उन बेचारों को लाकर कुछ चारा दे दिया जाता है. आम तौर पर तो उन्हें यह भी मालूम नहीं रहता कि वे कहां ले जाए जा रहे हैं, क्यों लाए जा रहे हैं और उन्हें क्या करना है. उनमें अधिकांश तो सिर्फ मेला घूमने या शहर देखने के मन से आते हैं.

पार्टी एक प्रदर्शन या 'शो' करती है और दिखाती है कि हमारी क्या और कितनी औकात है. अपने को और अपनी सत्ता को सिद्ध करने का यह काम गाहे-बगाहे हर राजनैतिक पार्टी करती ही रहती है. तमाशाई मिजाज हमारे स्वभाव में बुरी तरह से घर करता जा रहा है. अब यह नियम सा हो गया है कि काम कम हो तो हो काम का दिखावा या उसका तमाशा जरूर ज्यादा होना चाहिए. विज्ञापन आज का सबसे बड़ा तमाशा बन चुका है. बिना विज्ञापन के शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज सेवा कुछ भी नहीं चलने का. विज्ञापन का कारोबार दिनोंदिन बढ़ रहा है और शायद सब व्यवसायों की अपेक्षा तेजी से. विज्ञापन का तमाशा तब हटा है जब आज अभिनंदन, वंदन और पूजन का हम कोई भी अवसर अपने हाथ से जाने नहीं देते. कई लोग अपना अभिनंदन खुद अपने खर्च पर करवाते हैं. हद तो तब होती है जब नेता की मूर्ति पूजा शुरू होती है. और तो और नेता अपनी मूर्ति खुद अपने सरकारी खर्चे पर बनवाने की व्यवस्था करते हैं. कुल मिलाकर हम प्राण और स्वत्वहीन तमाशाई बनते जा रहे हैं.

गजेंद्र सिंह की कारुणिक मृत्यु-कथा की पुनर्रचना हो रही है और सभी राजनैतिक दल गजेंद्र सिंह के परिवार के लिए अपनी श्रद्धा के अनुसार अपना आर्थिक योगदान देकर प्रायश्चित करने में जुटे हुए हैं. पूरी घटना के आशय और प्रयोजन को लेकर काम चल रहा है कि उस कैसे अपने हित में सिद्ध किया जाय. मृत्यु को तमाशा बनाने का तमाशा चालू है. पर तमाशा तमाशा ही होता है. तमाशे का व्यापार ज्यादा दिन टिक नहीं सकता. यदि देश को हम शक्तिसंपन्न और समर्थ बनाना चाहते हैं तो तमाशाई सोच से ऊपर उठना होगा. ■■